प्रश्न - पेपर ५३ — ता. ५-८-९९

हैम सं. प्र. म. पाठ १८ थी २३ — ९० मार्क्स

प्र. १ नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। गमे ते - १० — ५० मार्क्स

(१) संख्या, संख्यावाचक, संख्यापूरक अने आवृत्तिदर्शक तथा सामासिक संख्यावाचक एटले शुं? ते सदृष्टांत जणावी पा. १७ नि. ३ तथा नि. ९ शा माटे? ते स्पष्टतापूर्वक समजावो।

(२) अनडुह् शब्दनी व्युत्पत्ति लखी पकारान्त अनिट् धातुओ केटला ते जणावी दकारान्त अनिट् धातुओ लखो।

(३) अ नो ई, आ नो ऐ तथा च नो लोप क्यारे थाय छे? सदृष्टांत लखो।

(४) नामिस्वरवाला एवा संयुक्ताक्षरवाला वेट् धातु केटला ते लखी संयुक्ताक्षरादि अनिट् धातुओ लखो

(५) पति ना रूपमां इ नो ए थयेल होय तेवा रूपो लखो अने प्रथमाना अपवादभूत कोईपण ३ नियम लखो। (१ पाठनो १ ज नियम लखवो)

(६) टक्, सक् अने क्विप् मां इत् ना प्रयोजन सदृष्टांत समजावी चोथो अनुनासिक - बीजो अनुनासिक क्यारे थाय ते साधनिका पूर्वक समजावो।

(७) तद्धित शब्दनी व्युत्पत्ति लखी अर्थ समजावी कया कया अर्थमां कयो कयो तद्धित प्र. थाय छे ते पुस्तक - बहारना दृष्टांतथी लखो।

(८) षण्णाम् नी साधनिका लखी पा. २२ नि. १८/१ ना अपवादभूत नियम समजावो।

(९) य सिवायना व्यंजनादि प्रत्यय पर छतां पूर्वनुं नाम पद न थाय तेवा बहारना विविध २ दृष्टांत आपी समजावो तथा २ स्वरवालुं सर्वनाम एक स्वरवालो क्यारे थाय?

(१०) धूः प्रयोगमां व् नो लोप केनाथी? ते जणावी ऋत्विजः, मित्रध्रुड्त्सु, भ्रूणघ्न्यः शब्दनी व्युत्पत्ति लखी अर्थ लखो।

(११) प्र. पा. १७ नि. १ विना बे स्वर मली औ क्यारे थाय ते सदृष्टांत जणावी दृप् धातुनु इट्वालु कर्तरि भू. लखी स्त्री. ब. व. मां तेनो अर्थ लखो।

प्र. २ (अ) नीचेना धातुओना आपेल ३ कालना कर्तरि रूपो लखो। गमे ते ५ — ८ मार्क्स

(१) परि + छृद् - १-३ पु. (४) दुस् + भ्रस्ज - २-३ पु.

(२) उद् + कृप् - २ पु. (५) सम् + द्रुह् - १-३ पु.

(३) निस् + ऋ - ए.व./ब.व.

(ब) नीचेना धातुओना आपेल ३ कालना कर्मणि रूपो लखो। गमे ते ५ — ८ मार्क्स

(१) उद् + ह्नु - १-२ पु. (४) अति + शी - १-२ पु.

(२) निस् + ई - २-३ पु. (५) सम् + क्षम् - २-३ पु.

(३) उद् + ख्या - ए.व./ब.व.

(क) नीचेना शब्दोना रूपो लखो। गमे ते ६ — १२ मार्क्स

(१) क्रोष्टु - ए.व./ब.व. (२) युवन् - स्त्री. १-३-५-७-८

(३) ऋभुक्षिन् - ए.व./ब.व. (४) दोस् - १-२-४-६-७

(5) द्रन्भू - ए.व./ब.व. (6) तिर्यच् - पु. स्त्री. १थी ३ तथा ६ थी।
(7) भ्रूणहन् - पु. स्त्री. एकव.
प्र.३ (अ) नीचेना माटे संस्कृत शब्द लखो। गमे ते - १० 7½ मार्क्स
(१) घर (२) प्रसिद्ध (३) अलंकार (४) समर्थ (५) स्त्री (स्त्री विना) (६) शोध
(७) प्रसन्न (८) देश (९) गाय (गो विना) (१०) धैर्य (११) अवधारण
(ब) नीचेना प्रयोगोनो विग्रह करी अर्थ लखो। गमे ते १० १० मार्क्स
(१) सुधीनि (२) गर्भभ्रान्ति (३) हे आशीः (४) अमूदृशी
(५) अनुगया (६) त्र्यग्याम् (७) स्वीभूतया (८) गुणीयस्यै
(९) वृन्दीयांसी (१०) तुर्यया (११) कतिथायै
(क) नीचेनी खाली जग्या पूरो। गमे ते - ५ 7½ मार्क्स
(१) इत् विनाना संख्या पूरक प्रत्यय —— छे तथा 'पणुं' अर्थमां —— प्रत्यय लागे छे।
(२) इष्ठ तथा ईयसु पर छतां आदेश थाय तेवा शब्दो —— छे।
(३) प्र.पा. ५१ नि. ४ नो अपवादभूत नियम —— छे तथा म. १३/२ ना अपवादभूत नि. —— छे।
(४) २ व्यंजनवाळो धातु —— नियमथी त्रण व्यंजनवाळो थाय छे तथा व्यंजनान्त धातुओ अनामी स्वर —— नियमथी नामी थाय छे।
(५) कर्त्तरि प्रयोगमां क्य प्रत्यय —— थाय छे तथा ३ कालना नामीस्वर विनाना प्रत्यय —— छे।
(६) व् ना फेरफारो —— नि. —— थाय छे।

जवाब - प्र.१ (२) अनः वहति इति क्विप्
(३) च्वि पर छतां, १९/१९, १८/१, ३३/५/७ (४) ९/ १७ छे
(५) पतयः पते पतयः (६) ३१/२ (८) १४४ टिप्पणी
(९) १४३ टिप्पणी तथा पा. ३१/नि. १०/३। १५१ टिप्पणी। १८/४/१/२ वि. पा. २२ - १२
(१०) शल्लुक् (११) १९ टीप्पण १। इट् वालु न थाय, १२२ टिप्पणी
प्र. ३
(अ) १५३, १५३, १४५, १४६, १३२, १२४, ११६, ११५, १०४, ९७, ९७
(क) (१) ३ तथा ५ प्रत्यय (२) १७ (३) १७/६ तथा ३१/९
(४) १९/१३ तथा १३/२ (५) ११६ टीप्पण तथा २६
(६) १७/१० तथा पा. १९/१७ थी